I.C.S.E

कक्षा : IX

हिन्दी

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.
You will not be allowed to write during the first 15 minutes.
This time is to be spent in reading the question paper.
The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

*This Paper comprises of two sections; **Section A** and **Section B.***
*Attempt **All** the questions from **Section A.***
*Attempt any **four** questions from **Section B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*
The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)
Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics: [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए:

1. प्रात:काल की सैर से हमारा शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य उत्तम रहता है। इस आधार पर 'प्रात:काल की सैर' इस विषय पर प्रस्ताव लिखें।
2. 'आज की बचत कल का सुख' इस विषय पर प्रस्ताव लिखें।
3. स्वस्थ जीवन जीने के लिए स्वास्थ्य का सेहतमंद होना बहुत आवश्यक है; इस आधार पर जंक फ़ूड का सेवन न करने के प्रति जागरूकता इस विषय पर अपने विचार प्रकट करें।
3. एक कहानी लिखिए, जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो : 'मन के हारे हार है, मन के जीते जीत।'

4. नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below: [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :

(i) दहेज-प्रथा के विरुद्ध जनमत तैयार करने के लिए किसी समाचार-पत्र के सम्पादक के नाम पत्र लिखें।

(ii) वार्षिक परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर अपने छोटे भाई को पत्र लिखें।

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible: [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए:

यह कहना कितना सत्य है कि जैसे सोने का प्रत्येक धागा मूल्यवान होता है, उसी तरह समय का प्रत्येक क्षण भी मूल्यवान होता है? समय निरंतर गतिमान है। न तो वह रुकता है और न ही कभी लौटकर वापस आता है।

मिनट, घंटे, सप्ताह, महीने और वर्ष बीत जाते है। इतना समय व्यर्थ जाने के बाद हमें यह समझ में आता है कि हमने केवल अपना कीमती समय ही बर्बाद किया है। एक प्रसिद्ध विचारक ने कहा है - 'सोने से पहले अपने सारे क्रियाकलापों को एक डायरी में लिखो। सुबह उठकर उसे पढ़ो और मनन करो कि बीते कल का तुमने कितना सदुपयोग किया? कल तुमने क्या खोया, क्या पाया? तुम्हारे कल के कर्म भावी जीवन पर क्या प्रभाव डाल सकते हैं? तब तुम्हें अपने वर्तमान और भविष्य की सच्ची तस्वीर दिखाई देगी। तुमको पता चल पाएगा कि तुम अपना कितना समय अकारण गँवा रहे हो? यह भी जान पाओगे कि क्यों तुम्हारे सपने पूरे नहीं हो रहे?' पिछले समय का लेखा-जोखा करके हम अपने जीवन से बहुत कुछ सीख सकते हैं। किस काम को करने से हमें कितनी हानि हुई और किस काम को करने से कितना लाभ हुआ यह हमें सबसे पहले देखना चाहिए। किसी उद्योगपति को एक सौदा तय करने के लिए सुबह दस बजे जाना था, मगर आलस्य के कारण वह साढ़े दस बजे पहुँचा। दूसरा व्यापारी जा चुका था। वह उसके नाम एक पुरजा छोड़ गया था, जिस पर लिखा था, 'जो व्यक्ति समय का पाबंद नहीं, उससे क्या सौदा किया जाए? वह वादे के अनुसार समय पर कभी माल नहीं भेज सकता।' पर्ची पढ़ते ही उस उद्योगपति की हवाइयाँ उड़ गई। लाखों के नुकसान से उसने एक सबक सिखा समय की पाबंदी। हम लापरवाही में दूसरों के समय की कीमत नहीं समझते, तो उनके द्वारा हम ठुकरा दिए जाते हैं। इसलिए पछताने से अच्छा है कि समय का सदुपयोग करके अपने जीवन का उद्देश्य प्राप्त करें।

1. किसी विचारक ने समय के बारे में क्या कहा है?
2. व्यापारी ने सौदा क्यों तोड़ दिया?
3. उद्योगपति ने कौन-सा सबक सीखा?
4. पछताने से बेहतर क्या है?
5. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दें।

Q.4 Answer the following according to the instructions given:

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

1. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए : [1]
   - नीति

- स्वार्थ

2. निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : [1]
   - नुकसान
   - सोना

3. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए: [1]
   - सदुपयोग
   - अकारण
   - हानि
   - आलस्य

4. भाववाचक संज्ञा बनाइए: [1]
   - दीर्घ
   - खट्टा

5. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए: [1]
   - हवाईयाँ उड़ना
   - रंग में भंग पड़ना

6. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए:
   (a) संत से यह सब देखा नहीं गया। ('बर्दाश्त' का प्रयोग कीजिए) [1]
   (b) जिस जीव की वह सहायता लेता है। ('जिस' के स्थान पर 'जो' का प्रयोग कीजिए) [1]
   (c) गुरु शिष्य को शिक्षा देता है। (‘द्वारा’ शब्द का प्रयोग कीजिए) [1]

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

(साहित्य सागर गद्य)

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

"भैया गुनाह का फल मिलेगा या नहीं,यह तो भगवान जाने,पर ऐसी कमाई से कोठियों में रहते हैं, और एक हम हैं कि परिश्रम करने पर भी हाथ में कुछ नहीं रहता।"

पाठ - बात अठन्नी की

लेखक - सुदर्शन

1. यहाँ पर किस गुनाह की बात की जा रही है? [2]
2. उपर्युक्त कथन रमजान ने रसीला से क्यों कहा? [2]
3. ऐसी कमाई से क्या तात्पर्य है? [3]
4. रमजान की उपर्युक्त बात सुनकर रसीला के मन में क्या विचार आया? [3]

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

"कागज़ पर इन निर्जीव चित्रों को बनाने के बजाय दो-चार की जिंदगी क्यों नहीं बना देती! तेरे पास सामर्थ्य है, साधन हैं!"

पाठ - दो कलाकार

लेखिका - मन्नू भंडारी

1. उपर्युक्त कथन का संदर्भ स्पष्ट करें। [2]
2. उपर्युक्त कथन का तात्पर्य स्पष्ट करें। [2]
3. अरुणा ने आवेश में आकर यह क्यों कहा कि किस काम की ऐसी कला जो आदमी को आदमी न रहने दें। [3]
4. अरुणा उपर्युक्त कथन द्वारा चित्रा को क्या कहना चाहती है? [3]

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

“लेकिन भाई! एक बात समझ नहीं आई।” हालदार साहब ने पानवाले से फिर पूछा, “नेताजी का ओरिजिनल चश्मा कहाँ गया?”

पाठ - नेताजी का चश्मा

लेखक - स्वयंप्रकाश

1. प्रस्तुत कथन में नेताजी का ओरिजिनल चश्मा से क्या तात्पर्य है? [2]
2. मूर्तिकार कौन था और उसने मूर्ति का चश्मा क्यों नहीं बनाया था? [2]
3. "वो लँगड़ा क्या जाएगा फ़ौज में। पागल है पागल!"कैप्टन के प्रति पानवाले की इस टिप्पणी पर अपनी प्रतिक्रिया लिखिए। [3]
4. सेनानी न होते हुए भी चश्मेवाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे? [3]

(साहित्य सागर पद्य)

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

जीवन अपूर्ण लिए हुए,
पाता कभी, खोता कभी
आशा-निराशा से घिरा
हँसता कभी रोता कभी।
गति-मति न हो अवरुद्ध,
इसका ध्यान आठों याम है।
चलना हमारा काम है।

कविता - चलना हमारा काम है

कवि - शिवमंगल सिंह ‘सुमन’

1. कवि ने जीवन को अपूर्ण क्यों बताया है? [2]
2. ‘आशा-निराशा से घिरा’ से कवि का क्या तात्पर्य है? [2]

3. कवि मनुष्य में आठों पहर किस भावना की कामना करते हैं और क्यों? [3]
4. 'चलना हमारा काम'- पंक्ति को बार-बार दोहराकर कवि क्या संदेश देना चाहते हैं? [3]

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

वह आता--
दो टूक कलेजे के करता
पछताता पथ पर आता।
पेट-पीठ दोनों मिलकर हैं एक,
चल रहा लकुटिया टेक,
मुट्ठी भर दाने को-भूख मिटाने को
मुँह फटी पुरानी झोली का फैलाता--
दो टूक कलेजे के करता
पछताता पथ पर आता।
साथ दो बच्चे भी हैं सदा हाथ फैलाए,
बाएँ से वे मलते हुए पेट को चलते,
और दाहिना दया-दृष्टि पाने की ओर बढ़ाए।

भूख से सूख ओंठ जब जाते
दाता-भाग्य विधाता से क्या पाते?
घूँट आँसुओं के पीकर रह जाते।
चाट रहे जूठी पत्तल वे सभी सड़क पर खड़े हुए,
और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए!

कविता - भिक्षुक

कवि- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

1. प्रस्तुत कविता में कवि ने किसका चित्रण किया है? [2]
2. कवि ने उसकी गरीबी का वर्णन किस प्रकार किया है? [2]
3. भिखारी के साथ कौन है? वे क्या कर रहे हैं? [3]
4. “दाता-भाग्य-विधाता से क्या पाते” का भाव स्पष्ट कीजिए। [3]

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

बूढ़े पीपल ने आगे बढ़ कर जुहार की
‘बरस बाद सुधि लीन्ही’
बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की
हरसाया ताल लाया पानी परात भर के।
क्षितिज अटारी गदरायी दामिनि दमकी
‘क्षमा करो गाँठ खुल गयी अब भरम की’
बाँध टूटा झर-झर मिलन अश्रु ढरके
मेघ आये बड़े बन-ठन के, सँवर के।

कविता - मेघ आए
कवि- सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

1. मेघ को कविता में किस रूप में दर्शाया गया है? [2]
2. लता ने बादल रूपी मेहमान को किस तरह देखा और क्यों? [2]
3. कवि ने पीपल के पेड़ के लिए किस शब्द का प्रयोग किया है और क्यों? [3]
4. ताल किसका प्रतीक है और उसने प्रसन्न होकर क्या किया? [3]

एकांकी संचय

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

बस यही बात मैं कहना चाहता हूँ ... यदि सुन लिया-किसी ने छोटी बहू का निरादर किया है, उसकी हँसी उड़ाई है या उसका समय नष्ट किया है तो इस सब से मेरा नाता सदा के लिए टूट जाएगा... अब तुम सब जा सकते हो।

एकांकी - सूखी डाली

लेखक - उपेन्द्रनाथ 'अश्क'

1. उपर्युक्त अवतरण के वक्ता का परिचय दें। [2]
2. दादाजी ने घर के सभी सदस्यों को क्यों बुलाया था? [2]
3. छोटी बहू का मन घर में क्यों नहीं लगता था? [3]
4. दादाजी से सभी को क्या समझाया? [3]

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

प्रेम का अनुशासन मानने को हाडा-वंश सदा तैयार है, शक्ति का नहीं।

एकांकी - मातृभूमि का मान

लेखक - हरिकृष्ण 'प्रेमी'

1. प्रस्तुत अवतरण के वक्ता कौन हैं? [2]
2. वक्ता के पास महाराणा का क्या प्रस्ताव लाया गया था? [2]
3. वक्ता ने प्रस्ताव क्यों ठुकरा दिया? [3]
4. 'प्रेम का अनुशासन मानने को हाडा-वंश सदा तैयार है, शक्ति का नहीं' से वक्ता का क्या तात्पर्य है? [3]

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

अरे वो कपटी, दुरात्मा दुर्योधन! क्या स्त्रियों की भाँति जल में छिपा बैठा है। बाहर निकल आ। देख तो काल तुझे ललकार रहा है।

एकांकी - महाभारत की साँझ

लेखक - भारत भूषण अग्रवाल

1. उपर्युक्त कथन किसका का है? कथन का संदर्भ स्पष्ट करें। [2]
2. दुर्योधन अपनी प्राण रक्षा के लिए क्या करता है? [2]
3. उपर्युक्त कथन का दुर्योधन ने क्या उत्तर दिया? [3]
4. दुर्योधन ने पांडवों के साथ क्या किया था? [3]

नया रास्ता

(सुषमा अग्रवाल)

Q.14 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

पत्र लिखने के बाद पिताजी को लगा की शायद उनसे कोई घोर अपराध हो गया है, उनकी मन:स्थिति विकल हो गई।

1. घर लौटने पर मायाराम का इंतजार कौन कर रहा था? वे मायाराम के पास क्यों आए थे? [2]
2. व्यवहार के बारे में माँ की क्या राय थी? [2]
3. मीनू का रिश्ता ठुकराने के लिए क्या योजना बनाई गई? [3]
4. किसकी मन:स्थिति विकल और क्यों हो गई? [3]

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

मीनू के मुख से अपनी प्रशंसा सुनकर नीलिमा दिल-दिल-में प्रसन्न हो उठी। परंतु उसे मीनू के दिल में छिपी पीड़ा का आभास था।

1. प्रस्तुत अवतरण में नीलिमा और मीनू कौन हैं उनका परिचय दें। [2]
2. मीनू प्रसन्न क्यों थी? [2]
3. कुछ सोचकर मीनू उदास क्यों हो गई? [3]
4. किसे किसकी पीड़ा का अहसास था? [3]

Q.16. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

जब लड़का लड़की को देखने आए तो यह समय एक परीक्षा का समय होता है। लड़की के मन में एक अन्तर्द्वन्द्व होता है कि वह इस परीक्षा में पास हो सकेगी या नहीं।

1. दयाराम के घर तैयारियाँ क्यों चल रही थी? [2]
2. दयाराम के घर की तैयारी का वर्णन कीजिए। [2]
3. किसके मन में और क्यों अन्तर्द्वन्द्व चल रहा था? [3]
4. अमित को मीनू क्यों पसंद आ गई थी? [3]

Solution

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.
You will not be allowed to write during the first 15 minutes.
This time is to be spent in reading the question paper.
The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

*This Paper comprises of two sections; **Section A** and **Section B.***
*Attempt **All** the questions from **Section A.***
*Attempt any **four** questions from **Section B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*
The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)
Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics: [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए:

1. प्रात:काल की सैर से हमारा शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य उत्तम रहता है। इस आधार पर 'प्रात:काल की सैर' इस विषय पर प्रस्ताव लिखें।

   भगवान ने संसार के संचालन के लिए अनेक नियम बनाए है। संसार के सभी कार्य उन्हीं नियमों के अंतर्गत चलते रहते हैं, जो कोई भी उन नियमों का उल्लंघन करता है, उसे हानि उठानी पड़ती है। रात और दिन होना भी भगवान के उन्हीं नियमों का एक हिस्सा है। यदि रात्रि विश्राम के लिए निर्धारित है तो दिन का समय परिश्रमपूर्वक कार्य करने के लिए। रात्रि समाप्ति के पश्चात दिन के प्रथम प्रहर को हम प्रात:काल कहते हैं।

प्रात:काल का समय बड़ा सुहावना होता है। पूर्व में निकलता हुआ सूरज बड़ा मनोरम दिखता है, आसमान की लाली उसमें चार चाँद लगा देती है। पक्षी चहचहाते हुए जंगल की ओर उड़ जाते हैं, किसान अपने बैलों के साथ खेतों पर जाते हैं। तालाब में कमल खिलते हैं। शीतल वायु धीरे-धीरे बहती है। घास पर गिरी ओस की बूँदे मोती जैसी लगती हैं। इस प्रकार प्रात:काल के सुहावने समय में सभी जीव-जंतु अपने-अपने कामों में लग जाते हैं।
हम सभी को प्रात:काल में सूर्योदय से पूर्व ही उठना चाहिए और प्रात:कालीन दिनचर्या से निवृत्त होकर सैर का लाभ अवश्य लेना चाहिए। प्रात:काल की सैर से स्वास्थ्य ठीक रहता है। इस समय जो शुद्ध हवा हमारे फेफड़ों में प्रवेश करती है उससे दिन भर के कार्यो के लिए स्फूर्ति बनी रहती है। स्फूर्ति से कार्य करने की क्षमता बढ़ जाती है। चारों ओर का स्वच्छ वातावरण हमारे मन को आनंद देता है।
हम सभी जानते है कि स्वास्थ्य ही मनुष्य की सबसे बड़ी दौलत है और प्रात:काल की सैर से हमारा शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य उत्तम रहता है। प्रात:काल की सैर हमारे लिए सर्वोत्तम उपाय है।

2. 'आज की बचत कल का सुख' इस विषय पर प्रस्ताव लिखें।
मनुष्य का जीवन विभिन्न उतार-चढ़ावों से परिपूर्ण होता है। सुख और दुख जीवन के अभिन्न अंग हैं। कभी भी कोई आर्थिक समस्या का सामना करना पड़ सकता है अतः हमें हमारे भविष्य को सुरक्षित करने के लिए हमेशा बचत का मूल मंत्र याद रखना चाहिए। आप ने यह कहावत तो जरुर सुनी होगी बूंद-बूंद से घडा भरता है अर्थात् छोटी-छोटी धनराशि आगे जाकर एक बड़ी धनराशि का रूप लेती है। और यही धनराशि कठिनाई के समय हमें संबल और सहारा प्रदान करती है। प्रकृति में भी इस बचत के अनेकों उदहारण आप देख सकते हैं। कई जीव-जंतु वर्षा के दिनों के लिए खाद्य-सामग्री को बचाकर रखते हैं।
मनुष्य के लिए धन की बचत ही आवश्यक पैमाना नहीं है। वह चाहे तो अनेक रूपों में बचत कर सकता है। उसमें समय भी एक महत्त्वपूर्ण बचत है। समय अत्यंत महत्त्वपूर्ण होता है। एक बार गुजरा हुआ समय दुबारा

वापस नहीं लौटता है। अत: मनुष्य के लिए समय की बचत व उसके महत्त्व को समझना अत्यंत आवश्यक है। छात्रों को भी अपने समय की बचत करनी चाहिए। अपने बचे हुए समय का सदुपयोग छात्र अपने मनोरंजन,खेल,ज्ञान,विज्ञान आदि में लगा सकते हैं।

समय और धन की बचत के अतिरिक्त ऊर्जा की बचत भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। हमें जल, वन, खनिज, जीवाश्म ईंधन सभी की बचत करनी चाहिए। बचत अथवा संचय किसी भी अवस्था में हो, चाहे वह धन की बचत हो या फिर समय व ऊर्जा की, सभी अवस्थाओं में इसे प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। तभी हमारा तथा हमारी आनेवाली पीढ़ी का भविष्य सुखमय होगा।

आज की बचत कल का सुख के द्वारा हमें हमारे आनेवाले कल एवं पीढ़ी के लिए धन, प्राकृतिक संपदा का आवश्कता अनुसार कम से कम उपयोग करना चाहिए।

3. स्वस्थ जीवन जीने के लिए स्वास्थ्य का सेहतमंद होना बहुत आवश्यक है; इस आधार पर जंक फ़ूड का सेवन न करने के प्रति जागरूकता इस विषय पर अपने विचार प्रकट करें।

आधुनिक रहन-सहन और दौड़-धूप से भरी जिंदगी में मनुष्य के जीवन में लगातार कई परिवर्तन किए हैं। आधुनिक समय में हर एक व्यक्ति के पास समय का अभाव है। मनुष्य की इसी व्यस्ततम जिंदगी में सब कुछ फास्ट हो गया है और इसी जल्दबाजी ने मानव को भोजन की एक नई शैली में फाँस लिया है, जिसे जी हम फ़ास्ट फ़ूड या जंक फ़ूड किसे कहते हैं।

जंक फूड में पोषण की कमी होती है और यह हमारे शरीर के लिए अत्यंत हानिकारक होता है। ज्यादातर जंक फूड उच्च स्तर पर वसा, शुगर, लवणता, और बेड कोलेस्ट्रॉल से परिपूर्ण होते हैं, जो हमारे स्वास्थ्य के लिए जहर के समान होते हैं। इस प्रकार के भोजन में पोषक तत्वों की कमी होने के कारण आसानी से कब्ज और अन्य पाचन संबंधी बीमारियों

का कारण बनते हैं। बढ़ते मोटापे, ह्रदय, लीवर और किडनी से जुड़ी बीमारियों के लिए भी जंक फूड जिम्मेदार है।
बचपन में बच्चों को सही और गलत को पहचान नहीं होती और माता-पिता भी समयाभाव, एकल परिवार और अत्याधिक प्यार के कारण बच्चों में स्वास्थ्यवर्धक भोजन के लिए उपयुक्त वातावरण बनाने में असफल रहते हैं। और इसलिए जंक-फूड की आदत का विकास होता चला जाता है। जंक फ़ूड का सेवन न करने के प्रति जागरूकता लाने के लिए हमें बड़ी ही सतर्कता और समझदारी से काम लेना होगा। हम इससे जुड़े विज्ञापनों पर रोक लगा सकते हैं। संचार माध्यमों का प्रयोग कर हम इसकी घातकता से लोगों को अवगत करा सकते हैं। खासकर स्कूलों में इस प्रकार का भोजन लाने के लिए बच्चों को हतोत्साहित किया जाना चाहिए। इस समस्या को निपटने के लिए माता-पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चों को अपने परम्परगत भोजन के बारे में समझाए और उन्हें उनके स्वास्थ्य के प्रति सचेत करें।
अत: स्वस्थ जीवन जीने के लिए स्वास्थ्य का सेहतमंद होना बहुत आवश्यक है; और इसके लिए हमें पूरे जीवनभर स्वास्थ्यवर्धक खानपान और स्वस्थ आदतों को अपनाने की आवश्यकता है।

3. एक कहानी लिखिए, जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो : 'मन के हारे हार है, मन के जीते जीत।'
   जीवन में सफलता-असफलता, हानि-लाभ, जय-पराजय के अवसर मौसम के समान है, कभी कुछ स्थिर नहीं रहता। मनुष्य के जीवन में पल-पल परिस्थितियाँ बदलती रहती है। जीवन में कई बार असफलता का सामना करना पड़ता है। असफलता में निराश होने की बजाए उत्साह से कार्य किये जाये तो असफलता को भी सफलता में बदला जा सकता है। अब्राहम लिंकन भी अपने जीवन में कई बार असफल हुए और अवसाद में भी गए, किन्तु उनके साहस और सहनशीलता के गुण ने उन्हें सर्वश्रेष्ठ सफलता दिलाई। आशावान व्यक्ति के आगे भाग्य भी घूटने टेक देता है।

मुझे आज भी विद्यालय में हमारी शिक्षिका निर्मला वर्मा द्वारा इसी विषय पर सुनाई गई कहानी याद है। हुआ यूँ था कि हमारा फुटबॉल मैच था और हम सभी इसके लिए कुछ ज्यादा ही चिंतित थे। शिक्षिका ने जब हम सब बच्चों को इतना निरुत्साहित देखा तो उन्होंने हमें 1971 में हुए युद्ध की कहानी सुनाई कि किस तरह एक अकेले अफसर ने दुश्मनों से लोहा लिया। उस बहादुर अफसर ने दुश्मनों के दो विमानों को ध्वस्त कर दिया और बाकि बचे चार विमानों को लौटने के लिए मजबूर कर दिया। उन्होंने हमें हरिवंशराय बच्चन की चींटी कविता वाली यह पंक्तियाँ भी बताई कि "लहरों के डर से नौका पार नही होती, कोशिश करने वालों की हार नही होती।"

उनकी इस कहानी और कविता की पंक्तियों ने हमारे अंदर एक नए उत्साह का संचार हुआ और हम दुगुने उत्साह और उस अफसर को याद कर अपनी तैयारी में लग गए। जब भी खिलाड़ी एक-दूसरे से मिलते तो वे यही कहते थे कि नामुमकिन कुछ भी नहीं। खेल का दिन नजदीक आया गया और हम सबने तन-मन से खेल को न केवल खेला बल्कि अच्छे स्कोर से जीत भी लिया।

इस प्रकार कह सकते हैं कि यह उक्ति 'मन के हारे हार है मन के जीते जीत' पूर्णतया सत्य है।

4. नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

प्रस्तुत चित्र बरसात की पहली फुहार का है। कई दिनों की भयंकर गर्मी के पश्चात पड़ने वाली पहली वर्षा का दृश्य है। चित्र को देखकर ऐसा प्रतीत होता है, जैसे यह परिवार कितने दिनों से बरसात का इंतजार कर रहा होगा? परिवार के सारे सदस्य एक साथ मिलकर वर्षा का आनंद उठा रहे हैं। यहाँ तक कि उनका पालतू पशु कुत्ता भी उनके इस आनंद में सहभागी बना है। किसान और किसान की पत्नी दोनों ही इस बरसात के लिए इंद्र देवता और वरुण देवता को प्रणाम कर अपना शुक्रिया अदा कर रहें हैं। अब किसान को अपनी फसल के लिए भरपूर पानी मिलेगा। अच्छी फसल से ही अच्छे दिनों का आगाज होता है।

इस परिवार को देखकर मुझे अपनी बरसात में मनाई गई पिकनिक की याद आ गई। उस दिन भी ऐसी ही गर्मी पड़ रही थी। गर्मी से परेशान होकर हम कुछ दोस्तों ने मिलकर नदी में नहाने का कार्यक्रम बनाया। आनन्-फानन में हम सभी नदी की ओर चल पड़े आधे रास्ते पहुँचे ही थे की अचानक आकाश में काले बादल घिर आए और आसमान में बिजली कड़कने लगी। पहले धीरे-धीरे और बाद में जोरों की बरसात होने लगी। हमारी ख़ुशी का तो ठिकाना ही नहीं रहा। हम सब दोस्त पुरे रास्ते भीगते रहे और वर्षा का आनन्द उठाते रहे। नदी के पास आते ही आनंद और भी दुगुना हो गया। क्योंकि जब तक हम नदी किनारे पहुँचे तब तक तो वर्षा

और भी जोरों से होने लगी। नदी का जल स्तर भी बढ़ गया था। हम सब ने मिलकर उस वर्षा का भरपूर आनंद लिया।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below: [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :

(i) दहेज-प्रथा के विरुद्ध जनमत तैयार करने के लिए किसी समाचार-पत्र के सम्पादक के नाम पत्र लिखें।

सेवा में,
सम्पादक
नव जागरण
नई दिल्ली
दिनाँक : 30 दिसंबर 20 xx
विषय : दहेज-प्रथा के विरुद्ध जनमत तैयार करने हेतु पत्र।
महोदय

यह बात तो सर्वविदित है कि आज हमारे पूरे देश में दहेज प्रथा का दानव हम सभी को डस रहा है। इस प्रथा के कारण हमारी नव-वधुओं तथा उनके माता-पिता का जीवन तलवार की धार पर चलने से भी कष्टमय हो गया है। दहेज की वेदी पर कितनी ही अबलाओं की बलि पहले भी चढ़ चुकी है, और अब भी चढ़ रही है।

सबसे दुखद बात तो यह है कि दहेज-प्रथा कम होने के स्थान पर निरंतर बढ़ती ही जा रही है। दहेज के लोभी अमानवीयता तथा पाशविकता को गले लगाने में जरा सा भी संकोच नहीं करते हैं।

वे नववधुओं को कभी जलाकर, तो कभी जहर देकर मार देते हैं, कितनी ही अबलाएँ तो दहेज-प्रताड़नाओं से दुखी होकर आत्महत्या ही कर लेती हैं, जो देश के नाम पर कलंक है।

अतएव आपसे सादर प्रार्थना है कि आप अपने लोकप्रिय समाचार-पत्र में इस संबंध में एक ऐसा प्रभावशाली लेख प्रकाशित करे, जिससे दहेज-लोभी मानव

रूपी दानव का मुँह काला हो जाए तथा नव-वधुओं को अपने जीवन से हाथ न धोना पड़े। इसके लिए हम सदैव दिल से आपके आभारी रहेंगे।

सधन्यवाद।

भवदीय

राधिका गुप्ते

शक्करपूर

दिल्ली

(ii) वार्षिक परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर अपने छोटे भाई को पत्र लिखें।

मॉडल टाउन

दरियागंज

नई दिल्ली

दिनाँक 25 अप्रैल 2013

प्रिय अनुज

तुम्हारा पत्र मिला। समाचार जानकर बहुत प्रसन्नता हुई कि इस बार की परीक्षा में तुम्हारा प्रदर्शन बहुत ही अच्छा रहा। तुम न केवल अपनी कक्षा में अव्वल आए बल्कि पूरे पाठशाला में सर्वप्रथम हो। मेरी ओर से तुम्हें इस सफलता के लिए अनेकों बधाईयाँ।

आशा करता हूँ आगामी कक्षाओं में भी तुम इसी तरह अपना प्रदर्शन बनाए रखोगे। एक बार पुन: बधाई।

तुम्हार बड़ा भाई

आकाश

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible: [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए:

यह कहना कितना सत्य है कि जैसे सोने का प्रत्येक धागा मूल्यवान होता है, उसी तरह समय का प्रत्येक क्षण भी मूल्यवान होता है? समय निरंतर गतिमान है। न तो वह रुकता है और न ही कभी लौटकर वापस आता है।

मिनट, घंटे, सप्ताह, महीने और वर्ष बीत जाते है। इतना समय व्यर्थ जाने के बाद हमें यह समझ में आता है कि हमने केवल अपना कीमती समय ही बर्बाद किया है। एक प्रसिद्ध विचारक ने कहा है - 'सोने से पहले अपने सारे क्रियाकलापों को एक डायरी में लिखो। सुबह उठकर उसे पढ़ो और मनन करो कि बीते कल का तुमने कितना सदुपयोग किया? कल तुमने क्या खोया, क्या पाया? तुम्हारे कल के कर्म भावी जीवन पर क्या प्रभाव डाल सकते हैं? तब तुम्हें अपने वर्तमान और भविष्य की सच्ची तस्वीर दिखाई देगी। तुमको पता चल पाएगा कि तुम अपना कितना समय अकारण गँवा रहे हो? यह भी जान पाओगे कि क्यों तुम्हारे सपने पूरे नहीं हो रहे?' पिछले समय का लेखा-जोखा करके हम अपने जीवन से बहुत कुछ सीख सकते हैं। किस काम को करने से हमें कितनी हानि हुई और किस काम को करने से कितना लाभ हुआ यह हमें सबसे पहले देखना चाहिए। किसी उद्योगपति को एक सौदा तय करने के लिए सुबह दस बजे जाना था, मगर आलस्य के कारण वह साढ़े दस बजे पहुँचा। दूसरा व्यापारी जा चुका था। वह उसके नाम एक पुरजा छोड़ गया था, जिस पर लिखा था, 'जो व्यक्ति समय का पाबंद नहीं, उससे क्या सौदा किया जाए? वह वादे के अनुसार समय पर कभी माल नहीं भेज सकता।' पर्ची पढ़ते ही उस उद्योगपति की हवाइयाँ उड़ गई। लाखों के नुकसान से उसने एक सबक सिखा समय की पाबंदी। हम लापरवाही में दूसरों के समय की कीमत नहीं समझते, तो उनके द्वारा हम ठुकरा दिए जाते हैं। इसलिए पछताने से अच्छा है कि समय का सदुपयोग करके अपने जीवन का उद्देश्य प्राप्त करें।

1. किसी विचारक ने समय के बारे में क्या कहा है?

   उत्तर : एक प्रसिद्ध विचारक ने कहा है - 'सोने से पहले अपने सारे क्रियाकलापों को एक डायरी में लिखो। सुबह उठकर उसे पढ़ो और मनन करो कि बीते कल का तुमने कितना सदुपयोग किया? कल तुमने क्या खोया, क्या पाया? तुम्हारे कल के कर्म भावी जीवन पर क्या प्रभाव डाल सकते हैं? तब तुम्हें अपने वर्तमान और भविष्य की सच्ची तस्वीर दिखाई देगी। तुमको पता चल पाएगा कि तुम अपना कितना समय अकारण गँवा रहे हो? यह भी जान पाओगे कि क्यों तुम्हारे सपने पूरे नहीं हो रहे?

2. व्यापारी ने सौदा क्यों तोड़ दिया?

उत्तर : उद्योगपति को एक सौदा तय करने के लिए सुबह दस बजे जाना था, मगर आलस्य के कारण वह साढ़े दस बजे पहुँचा। दूसरा व्यापारी जा चुका था। वह उसके नाम एक पुरजा छोड़ गया था, जिस पर लिखा था, 'जो व्यक्ति समय का पाबंद नहीं, उससे क्या सौदा किया जाए? वह वादे के अनुसार समय पर कभी माल नहीं भेज सकता।'

3. उद्योगपति ने कौन-सा सबक सीखा?

उत्तर : उद्योगपति के लाखों के नुकसान से उसने एक सबक सीखा - समय की पाबंदी।

4. पछताने से बेहतर क्या है?

उत्तर : पछताने से अच्छा है कि समय का सदुपयोग करके अपने जीवन का उद्देश्य प्राप्त करें।

5. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दें।

उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक 'समय का मोल' है।

Q.4 Answer the following according to the instructions given:

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

1. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए : [1]
   - नीति - नैतिक
   - स्वार्थ - स्वार्थी

2. निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : [1]
   - नुकसान - घाटा,हानि
   - सोना - स्वर्ण, कुंदन, कनक, हेम सुवर्ण

3. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए: [1]

- सदुपयोग - दुरुपयोग
- अकारण - कारण
- हानि - लाभ
- आलस्य - स्फूर्ति

4. भाववाचक संज्ञा बनाइए: [1]

- दीर्घ - दीर्घता
- खट्टा - खटास

5. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए: [1]

- हवाईयाँ उड़ना - इनकम टैक्स की रेड की खबर से उद्योगपति के चेहरे पर हवाईयाँ उड़ने लगी।
- रंग में भंग पड़ना - उत्सवी माहौल में घर में चोरी की खबर ने रंग में भंग डाल दिया।

6. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए:

(a) संत से यह सब देखा नहीं गया। ('बर्दाश्त' का प्रयोग कीजिए) [1]

उत्तर : संत से यह सब बर्दाश्त न हुआ।

(b) जिस जीव की वह सहायता लेता है। ('जिस' के स्थान पर 'जो' का प्रयोग कीजिए) [1]

उत्तर : जो जीव की वह सहायता लेता था।

(c) गुरु शिष्य को शिक्षा देता है। ('द्वारा' शब्द का प्रयोग कीजिए) [1]

उत्तर : गुरु द्वारा शिष्यों को शिक्षा दी जाती है।

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

(साहित्य सागर गद्‌य)

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्‌यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

“भैया गुनाह का फल मिलेगा या नहीं,यह तो भगवान जाने,पर ऐसी कमाई से कोठियों में रहते हैं, और एक हम हैं कि परिश्रम करने पर भी हाथ में कुछ नहीं रहता।"

पाठ - बात अठन्नी की

लेखक - सुदर्शन

1. यहाँ पर किस गुनाह की बात की जा रही है? [2]

उत्तर : यहाँ पर रमजान और रसीला अपने-अपने मालिकों के रिश्वत लेने वाले गुनाह की बात कर रहे हैं। रसीला ने जब रमजान को बताया कि उसके मालिक जगत सिंह ने पाँच सौ रूपए की रिश्वत ली है। तो इस पर रमजान ने कहा यह तो कुछ भी नहीं उसके मालिक शेख साहब तो जगत सिंह के भी गुरु हैं, उन्होंने भी आज ही एक शिकार फाँसा है हजार से कम में शेख साहब नहीं मानेंगे।

इस प्रकार यहाँ पर मालिकों के रिश्वत के गुनाह की चर्चा की जा रही है।

2. उपर्युक्त कथन रमजान ने रसीला से क्यों कहा? [2]

उत्तर : रमजान और रसीला दोनों ही नौकर थे। दिन रात परिश्रम करने के बाद भी बड़ी मुश्किल से उनका गुजारा होता था। रसीला के मालिक तो बार-बार प्रार्थना करने के बाद भी उसका वेतन बढ़ाने के लिए तैयार नहीं थे। दोनों यह बात भी जानते थे कि उनके मालिक रिश्वत से बहुत पैसा कमाते हैं। इसी बात की चर्चा करते समय रमजान ने उपर्युक्त कथन कहे।

3. ऐसी कमाई से क्या तात्पर्य है? [3]

उत्तर : प्रस्तुत पाठ में ऐसी कमाई से तात्पर्य रिश्वत से है। यहाँ पर स्पष्ट किया गया है कि किस प्रकार सफेदपोश लोग ही इस कार्य में लिप्त रहते हैं। अच्छा ख़ासा वेतन मिलने के बाद भी इनकी लालच की भूख मिटती नहीं है और रिश्वत को कमाई का एक और जरिया बना लेते हैं। इसके विपरीत परिश्रम करने वाला दाल-रोटी का जुगाड़ भी नहीं कर पाता और सदैव कष्ट में ही रहता है।

4. रमजान की उपर्युक्त बात सुनकर रसीला के मन में क्या विचार आया? [3]

उत्तर : रमजान की उपर्युक्त बात सुनकर यह आया कि सालों से वह इंजीनियर जगत बाबू के यहाँ काम कर रहा है इस बीच इस घर में उसके हाथ के नीचे से सैकड़ों रूपए निकल गए पर कभी उसका धर्म और नियत नहीं बिगड़ी। एक-एक आना भी उड़ाता तो काफी रकम जुड़ जाती।

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

“कागज़ पर इन निर्जीव चित्रों को बनाने के बजाय दो-चार की जिंदगी क्यों नहीं बना देती! तेरे पास सामर्थ्य है, साधन हैं!”

पाठ - दो कलाकार

लेखिका - मन्नू भंडारी

1. उपर्युक्त कथन का संदर्भ स्पष्ट करें। [2]

उत्तर : चित्रा चाय पर अरुणा का इंतजार कर रही होती है। इतने में अरुणा का आगमन होता है और चित्रा उसे बताती है कि उसके पिता का पत्र आया है जिसमें आगे की पढ़ाई के लिए उसे विदेश जाने की अनुमति मिल गई है। उस समय आपसी बातचीत के दौरान अरुणा चित्रा से उपर्युक्त कथन कहती है।

2. उपर्युक्त कथन का तात्पर्य स्पष्ट करें। [2]

उत्तर : उपर्युक्त कथन से अरुणा का तात्पर्य चित्रा के असंवेदनशील होने से है। चित्रा चित्रकार होने के नाते केवल अपने चित्रों के बारे में ही सोचती रहती है। दुनिया में बड़ी-से-बड़ी घटना क्यों न घट जाय यदि चित्रा को उसमें चित्रकारी के लिए मॉडल नहीं मिलता तो उसके लिए वह घटना बेमानी होती है।

3. अरुणा ने आवेश में आकर यह क्यों कहा कि किस काम की ऐसी कला जो आदमी को आदमी न रहने दें। [3]

उत्तर : चित्रा दुनिया से कोई मतलब नहीं रखती थी। वह बस चौबीसों घंटे अपने रंग और तूलिकाओं में डूबी रहती थी। दुनिया में कितनी भी बड़ी घटना घट जाए, पर यदि उसमें चित्रा के चित्र के लिए कोई आइडिया नहीं तो वह उसके लिए कोई महत्त्व नहीं रखती थी। वह हर जगह, हर चीज में अपने चित्रों के लिए मॉडल ढूँढा करती थी। इसलिए अरुणा ने आवेश में आकर यह कहा कि किस काम की ऐसी कला जो आदमी को आदमी न रहने दें।

4. अरुणा उपर्युक्त कथन द्वारा चित्रा को क्या कहना चाहती है? [3]

उत्तर : अरुणा उपर्युक्त कथन द्वारा चित्रा को कहना चाहती है कि वह अमीर पिता की बेटी है उसके पास साधनों और पैसे की कोई कमी नहीं है अत: वह उन साधनों से किसी की जिंदगी सँवार सकती है।

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

“लेकिन भाई! एक बात समझ नहीं आई।” हालदार साहब ने पानवाले से फिर पूछा, “नेताजी का ओरिजिनल चश्मा कहाँ गया?”

पाठ - नेताजी का चश्मा

लेखक - स्वयंप्रकाश

1. प्रस्तुत कथन में नेताजी का ओरिजिनल चश्मा से क्या तात्पर्य है? [2]

उत्तर : प्रस्तुत कथन में नेताजी का ओरिजिनल चश्मा से तात्पर्य नेताजी के बार-बार बदलने वाले फ्रेम से है। मूर्तिकार ने नेताजी की मूर्ति बनाते समय चश्मा नहीं बनाया था। नेताजी बिना चश्मे के यह बात एक गरीब देशभक्त चश्मेवाले कैप्टन को पसंद नहीं आती थी इसलिए वह नेताजी की मूर्ति पर उसके पास उपलब्ध फ्रेमों से एक फ्रेम लगा देता था।

2. मूर्तिकार कौन था और उसने मूर्ति का चश्मा क्यों नहीं बनाया था? [2]

उत्तर : मूर्तिकार उसी कस्बे के स्थानीय विद्यालय का मास्टर मोतीलाल था। मूर्ति बनाने के बाद शायद वह यह तय नहीं कर पाया होगा कि पत्थर से पारदर्शी चश्मा कैसे बनाया जाये या फिर उसने पारदर्शी चश्मा बनाने की कोशिश की होगी मगर उसमें असफल रहा होगा।

3. "वो लँगड़ा क्या जाएगा फ़ौज में। पागल है पागल!"कैप्टन के प्रति पानवाले की इस टिप्पणी पर अपनी प्रतिक्रिया लिखिए। [3]

उत्तर : पानवाले ने कैप्टन को लँगड़ा तथा पागल कहा है। जो कि अति गैर जिम्मेदाराना और दुर्भाग्यपूर्ण वक्तव्य है। कैप्टन में एक सच्चे देशभक्त के वे सभी गुण मौजूद हैं जो कि पानवाले में या समाज के अन्य किसी वर्ग में नहीं है। वह भले ही लँगड़ा है पर उसमें इतनी शक्ति है कि वह कभी भी नेताजी को बग़ैर चश्मे के नहीं रहने देता है। अत: कैप्टन पानवाले से अधिक सक्रिय तथा विवेकशील तथा देशभक्त है।

4. सेनानी न होते हुए भी चश्मेवाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे? [3]

उत्तर : चश्मेवाला कभी सेनानी नहीं रहा परंतु चश्मेवाला एक देशभक्त नागरिक था। उसके हृदय में देश के वीर जवानों के प्रति सम्मान था। वह अपनी ओर से एक चश्मा नेताजी की मूर्ति पर अवश्य

लगाता था उसकी इसी भावना को देखकर लोग उसे कैप्टन कहते थे।

(साहित्य सागर पद्य)

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

जीवन अपूर्ण लिए हुए,
पाता कभी, खोता कभी
आशा-निराशा से घिरा
हँसता कभी रोता कभी।
गति-मति न हो अवरुद्ध,
इसका ध्यान आठों याम है।
चलना हमारा काम है।

कविता - चलना हमारा काम है
कवि - शिवमंगल सिंह 'सुमन'

1. कवि ने जीवन को अपूर्ण क्यों बताया है? [2]

   उत्तर : कवि ने मानव जीवन को अपूर्ण बताया है क्योंकि मनुष्य को अपने जीवन में सब कुछ प्राप्त नहीं होता। मनुष्य की इच्छाएँ असीमित हैं। मनुष्य़ जीवन की यात्रा पर आगे बढ़ते हुए अपनी इच्छाओं को पूरा करने की कोशिश करता है परन्तु वह सब कुछ प्राप्त नहीं कर सकता। अत: कुछ खोना और कुछ पाना जीवन के अधूरेपन की निशानी है।

2. 'आशा-निराशा से घिरा' से कवि का क्या तात्पर्य है? [2]

   उत्तर : यहाँ आशा-निराशा से घिरा से तात्पर्य मनुष्य के मन में उठने वाले भाव से है। यह मानव स्वभाव का अहम् हिस्सा है कि जब उसे जीवन में सफलता प्राप्त होती है तब उसका मन प्रसन्नता से भर

उठता है किंतु असफलता प्राप्त होने पर उसे घोर निराशा होती है। इस प्रकार मनुष्य अपने जीवन में आशा-निराशा के भाव से घिरा रहता है।

3. कवि मनुष्य में आठों पहर किस भावना की कामना करते हैं और क्यों? [3]
उत्तर : कवि मनुष्य में आठों पहर परिश्रम की भावना की कामना करते हैं। दिन के चौबीस घंटे को आठ पहर में बाँटा जाता है। प्रत्येक पहर में तीन घंटे होते हैं। कवि के अनुसार हमें दिन-रात कठिन परिश्रम करते रहना चाहिए। कवि की यह सोच बिल्कुल सही है कि हमें एक पल के लिए भी निष्क्रिय नहीं होना चाहिए। बुद्धि की गति और सोच निरन्तर गतिशील रहनी चाहिए। यदि मनुष्य की गति रुक जाएगी तो वह अपने लक्ष्य को भूलकर निष्क्रिय हो जाएगा जोकि जड़ता का प्रतीक है।

4. 'चलना हमारा काम'- पंक्ति को बार-बार दोहराकर कवि क्या संदेश देना चाहते हैं? [3]
उत्तर : शिवमंगल सिंह 'सुमन' द्वारा रचित कविता 'चलना हमारा काम है' प्रेरणादायक कविता है जो निराशा में आशा का संचार करने वाली कविता है। प्रस्तुत कविता में 'चलना हमारा काम' - पंक्ति को बार-बार दोहराकर कवि संदेश देना चाहते हैं कि मानव जीवन सुख-दुख, सफलता-असफलता, आशा-निराशा के दो किनारों के बीच निरन्तर चलता रहता है और उसके इसी निरन्तर गतिशीलता में मानवता का विकास निहित है।

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

वह आता--
दो टूक कलेजे के करता

पछताता पथ पर आता।
पेट-पीठ दोनों मिलकर हैं एक,
चल रहा लकुटिया टेक,
मुट्ठी भर दाने को-भूख मिटाने को
मुँह फटी पुरानी झोली का फैलाता--
दो टूक कलेजे के करता
पछताता पथ पर आता।
साथ दो बच्चे भी हैं सदा हाथ फैलाए,
बाएँ से वे मलते हुए पेट को चलते,
और दाहिना दया-दृष्टि पाने की ओर बढ़ाए।

भूख से सूख ओंठ जब जाते
दाता-भाग्य विधाता से क्या पाते?
घूँट आँसुओं के पीकर रह जाते।
चाट रहे जूठी पत्तल वे सभी सड़क पर खड़े हुए,
और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए!

कविता - भिक्षुक

कवि- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

1. प्रस्तुत कविता में कवि ने किसका चित्रण किया है? [2]

उत्तर : कवि ने प्रस्तुत कविता में भिखारी का मार्मिक यथार्थपरक चित्रण किया है। कवि सड़क पर एक भिखारी को आते हुए देख रहे हैं। उस भिखारी की दयनीय दशा को देखकर कवि आहत हो जाते हैं। उनका मन दुख और वेदना से फटने लगता है।

2. कवि ने उसकी गरीबी का वर्णन किस प्रकार किया है? [2]

उत्तर : कवि ने उसकी गरीबी का वर्णन करते हुए कहा है कि भोजन के अभाव और मानसिक चिन्ता से वह अत्यंत कमज़ोर हो गया है। वह इतना कमज़ोर हो गया है कि लाठी के सहारे के बिना उसका चलना भी नामुमकीन है। उसका पेट और पीठ भोजन न मिलने के कारण एक-दूसरे से मिला हुआ-सा प्रतीत होता है। मुट्‌ठी-भर अन्न पाने के लिए वह दर-दर जाकर अपनी फटी हुई झोली का मुँह फैलाता है। अपने स्वाभिमान को त्यागकर दुखी मन से मार्ग पर चलता जाता है।

3. भिखारी के साथ कौन है ? वे क्या कर रहे हैं ? [3]

उत्तर : भिक्षुक के साथ उसके दो बच्चे भी हैं। वे भी बेहाल हैं और भूख मिटाने के लिए अपने बाएँ हाथ से पेट मल रहे हैं तथा दाएँ हाथ को भीख माँगने के लिए लोगों के सामने फैला रहे हैं। वे दोनों बच्चे यह सोचकर ऐसा कर रहे हैं कि उनकी दयनीय दशा को देखकर किसी के मन में दया या सहानुभूति का भाव जग जाए और तरस खाकर उन्हें कुछ खाने को दे दें।

4. “दाता-भाग्य-विधाता से क्या पाते” का भाव स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : “दाता-भाग्य-विधाता” का तात्पर्य है देने वाला, भाग्य का निर्माण करने वाला, ईश्वर। माना जाता है कि सम्पूर्ण सृष्टि का निर्माण परमपिता ईश्वर ने किया है और वे मनुष्य के सुख-दुख में उसका ख्याल रखते हैं किन्तु कवि कहते हैं कि वे भिक्षुक अपने भाग्य निर्माता से भूख, अपमान और समाज की उपेक्षा के अतिरिक्त क्या पाते हैं। कवि का इशारा समाज के उन साधन-सम्पन्न वर्गों

से है जो अपने स्वार्थ और लालच में डूबे हुए हैं लेकिन उन्हें इन गरीब, लाचार और साधनहीन व्यक्तियों से कोई मतलब नहीं।

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

बूढ़े पीपल ने आगे बढ़ कर जुहार की
'बरस बाद सुधि लीन्ही'
बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की
हरसाया ताल लाया पानी परात भर के।
क्षितिज अटारी गदरायी दामिनि दमकी
'क्षमा करो गाँठ खुल गयी अब भरम की'
बाँध टूटा झर-झर मिलन अश्रु ढरके
मेघ आये बड़े बन-ठन के, सँवर के।

कविता - मेघ आए
कवि- सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

1. मेघ को कविता में किस रूप में दर्शाया गया है? [2]
उत्तर : मेघ को कविता में शहरी दामाद के रूप में चित्रित किया गया है?

2. लता ने बादल रूपी मेहमान को किस तरह देखा और क्यों? [2]
उत्तर : लता ने बादल रूपी मेहमान को किवाड़ की ओट में से देखा क्योंकि एक तो वह बादल को देखने के लिए व्याकुल हो रही थी और दूसरी ओर वह बादलों के देरी से आने के कारण रूठी हुई भी थी।

3. कवि ने पीपल के पेड़ के लिए किस शब्द का प्रयोग किया है और क्यों? [3]
उत्तर : कवि ने पीपल के पेड़ के लिए 'बूढ़े' शब्द का प्रयोग किया है क्योंकि पीपल का पेड़ दीर्घजीवी होता है। जिस प्रकार गाँव में

मेहमान आने पर बड़े-बूढ़े आगे बढ़कर उसका अभिवादन करते हैं वैसे ही मेघ रूपी दामाद के आने पर गाँव के बुजुर्ग पीपल का पेड़ आगे बढ़कर उनका स्वागत करते हैं।

4. ताल किसका प्रतीक है और उसने प्रसन्न होकर क्या किया? [3]

उत्तर : ताल को मेघ रूपी दामाद के पत्नी के भाई के रूप में बताया गया है। ताल ने मेघों के आने पर अपनी प्रसन्नता को व्यक्त करने के लिए मेघ के पैर पानी से धोए।

एकांकी संचय

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

बस यही बात मैं कहना चाहता हूँ ... यदि सुन लिया-किसी ने छोटी बहू का निरादर किया है, उसकी हँसी उड़ाई है या उसका समय नष्ट किया है तो इस सब से मेरा नाता सदा के लिए टूट जाएगा... अब तुम सब जा सकते हो।

एकांकी - सूखी डाली

लेखक - उपेन्द्रनाथ 'अश्क'

1. उपर्युक्त अवतरण के वक्ता का परिचय दें। [2]

उत्तर : उपर्युक्त अवतरण के वक्ता घर के सबसे मुख्य सदस्य मूलराज परिवार के मुखिया हैं। वे संयुक्त परिवार के ताने-बाने में विश्वास रखते हैं। वे 72 वर्षीय हैं। परिवार के सभी लोग उनका सम्मान करते हैं। उन्होंने अपनी सूझ-बुझ और दूरदर्शिता से अपने परिवार को एक वट वृक्ष की भांति बाँध रखा है।

2. दादाजी ने घर के सभी सदस्यों को क्यों बुलाया था? [2]

उत्तर : दादाजी को जब यह बात पता चलती है घर की सबसे छोटी बहू घर में अपने आप-को उपेक्षित समझती है। और इसी कारणवश

वो घर से अलग होना चाहती है। दादाजी अपने संयुक्त परिवार को तोड़ना नहीं चाहते इसलिए इस समस्या के समाधान स्वरुप घर के सभी सदस्यों को बुलाते हैं और समझाते हैं।

3. छोटी बहू का मन घर में क्यों नहीं लगता था? [3]

उत्तर : छोटी बहू बड़े घर की, अत्याधिक पढ़ी-लिखी बेटी थी। शादी के पूर्व वह अपने मायके में राज करती आई थी। परंतु अब उसे यहाँ पर अपने ससुराल में हर एक का आदर करना पड़ता था, हर एक से दबना पड़ता था, और हर एक का आदेश मानना पड़ता था इसलिए यहाँ उसका व्यक्तित्व एक प्रकार से दब-सा गया था और इसी कारण उसका मन नहीं लगता था।

4. दादाजी से सभी को क्या समझाया? [3]

उत्तर : दादाजी ने सभी को समझाया कि कोई भी व्यक्ति उम्र या दर्जे से बड़ा नहीं होता। घर की छोटी बहू भले रिश्ते में सबसे छोटी हो परंतु अक्ल के मामले में सबसे बड़ी होने के कारण घर के सदस्यों को छोटी बहू की बुद्धि और उसकी योग्यता से लाभ उठाना चाहिए। घर के सभी सदस्य उसे सही आदर-सत्कार, उसकी राय को महत्त्व और पढ़ने के लिए समय दें। उसे ऐसा महसूस ही न होने दें कि वह किसी अन्य वातावरण में आ गई है।

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

प्रेम का अनुशासन मानने को हाडा-वंश सदा तैयार है,शक्ति का नहीं।

एकांकी - मातृभूमि का मान

लेखक - हरिकृष्ण 'प्रेमी'

1. प्रस्तुत अवतरण के वक्ता कौन हैं? [2]

उत्तर : प्रस्तुत अवतरण के वक्ता बूँदी के शासक राव हेमू हैं।

2. वक्ता के पास महाराणा का क्या प्रस्ताव लाया गया था? [2]

उत्तर : मेवाड़ नरेश महाराणा लाखा ने सेनापति अभय सिंह से बूँदी के राव हेमू के पास यह संदेश भिजवाया कि बूँदी मेवाड़ की अधीनता स्वीकार करे ताकि राजपूतों की असंगठित शक्ति को संगठित करके एक सूत्र में बाँधा जा सके।

3. वक्ता ने प्रस्ताव क्यों ठुकरा दिया? [3]

उत्तर : मेवाड़ नरेश महाराणा लाखा ने सेनापति अभय सिंह से बूँदी के राव हेमू के पास यह संदेश भिजवाया कि बूँदी मेवाड़ की अधीनता स्वीकार करे ताकि राजपूतों की असंगठित शक्ति को संगठित करके एक सूत्र में बाँधा जा सके। परंतु राव ने यह कहकर प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया कि बूँदी महाराणाओं का आदर तो करता है, पर स्वतंत्र रहना चाहता है। हम शक्ति नहीं प्रेम का अनुशासन करना चाहते हैं।

4. 'प्रेम का अनुशासन मानने को हाडा-वंश सदा तैयार है, शक्ति का नहीं' से वक्ता का क्या तात्पर्य है? [3]

उत्तर : 'प्रेम का अनुशासन मानने को हाडा-वंश सदा तैयार है, शक्ति का नहीं' से वक्ता का तात्पर्य अपनी स्वतंत्रता से है। महाराणा लाखा राजपूतों की असंगठित शक्ति को एकसूत्रता में बाँधना चाहते थे और इस कारण वे बूँदी को मेवाड़ की अधीनता स्वीकार करने का प्रस्ताव भेजते हैं। बूँदी के शासक राव हेमू का यह कहना था कि वे स्वतंत्र राज्य और स्वतंत्र रहकर महाराणाओं का आदर कर सकता है परंतु किसी के अधीन रहकर सेवा करना उसे पसंद नहीं है।

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

अरे वो कपटी, दुरात्मा दुर्योधन! क्या स्त्रियों की भाँति जल में छिपा बैठा है। बाहर निकल आ। देख तो काल तुझे ललकार रहा है।

एकांकी - महाभारत की साँझ

लेखक - भारत भूषण अग्रवाल

1. उपर्युक्त कथन किसका का है? कथन का संदर्भ स्पष्ट करें। [2]

उत्तर : उपर्युक्त कथन युधिष्ठिर का है। प्रस्तुत कथन का संदर्भ दुर्योधन को सरोवर से बाहर निकालने का है। दुर्योधन महाभारत के युद्ध में घायल हो जाता है और भागकर द्वैतवन के सरोवर में छिप जाता है। वह उसमें से बाहर नहीं निकलता है। तब उसे सरोवर से बाहर निकालने के लिए युधिष्ठिर उसे उपर्युक्त कथन कहकर ललकारता है।

2. दुर्योधन अपनी प्राण रक्षा के लिए क्या करता है? [2]

उत्तर : महाभारत के युद्ध में सभी मारे जाते हैं केवल एक अकेला दुर्योधन बचता है। युद्ध तब तक समाप्त नहीं माना जा सकता था जब तक कि दुर्योधन मारा नहीं जाता। इस समय दुर्योधन घायल अवस्था में है और अपने प्राण बचाने के लिए द्वैतवन के सरोवर में छिप जाता है।

3. उपर्युक्त कथन का दुर्योधन ने क्या उत्तर दिया? [3]

उत्तर : उपर्युक्त कथन का दुर्योधन ने उत्तर दिया कि वे चाहे इस समय उसकी अवस्था पर हँस लें परंतु वह अभी तक जीवित है और अभी भी उसकी भुजाओं में बल समाप्त नहीं हुआ है।

4. दुर्योधन ने पांडवों के साथ क्या किया था? [3]

उत्तर : दुर्योधन हस्तिनापुर पर केवल अपना अधिकार समझता था। वो अपने पांडव भाईयों को सुई की नोक बराबर जमीन देना भी अनुचित समझता था। उसने पांडवों को अपने रास्ते से हटाने के लिए सभी अनुचित मार्ग अपनाए। यहाँ तक कि छल से पांडवों को तेरह वर्षों का वनवास और एक वर्ष का अज्ञातवास भी दिया। जुए में पांडवों को अपनी पत्नी द्रौपदी को हारने पर मजबूर कर अपनी ही भाभी का अपमान किया यहाँ तक कि महाभारत का युद्ध भी उसकी इसी महत्त्वकांक्षा का परिणाम था जिसमें सभी को अपने- प्रियजनों को खोना पड़ा।

नया रास्ता

(सुषमा अग्रवाल)

Q.14 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

पत्र लिखने के बाद पिताजी को लगा की शायद उनसे कोई घोर अपराध हो गया है, उनकी मन:स्थिति विकल हो गई।

1. घर लौटने पर मायाराम का इंतजार कौन कर रहा था? वे मायाराम के पास क्यों आए थे? [2]

उत्तर : घर लौटने पर माया राम का इंतजार उनके ही शहर के के एक धनी व्यक्ति कर रहे थे। उनकी बेटी सरिता विवाह योग्य हो गई थी अत: वे मायाराम के पास अपनी बेटी सरिता का रिश्ता लेकर आए थे।

2. व्यवहार के बारे में माँ की क्या राय थी? [2]

उत्तर : अमित ने जब अपनी माँ से यह जानना चाहा कि क्या बड़े घर की बेटी उनके घर के वातावरण में मीनू की तरह घुल-मिल पाएँगी तो माँ ने जवाब दिया कि हम किसी के व्यवहार के बारे में तब तक कुछ नहीं बता सकते जब तक हम उनके साथ नहीं रहते। फिर चाहे लड़की छोटे घर की हो या बड़े घर की।

3. मीनू का रिश्ता ठुकराने के लिए क्या योजना बनाई गई? [3]

उत्तर : घर वाले अमित के लिए आए धनी सरिता का रिश्ता ठुकराना नहीं चाहते थे परंतु उनके सामने यह समस्या खड़ी हो गई कि मीनू का रिश्ता किस प्रकार ठुकराया जाय। तभी माताजी को एक युक्ति सूझी कि मीनू का रिश्ता यह कहकर ठुकराया जाय कि मीनू की अपेक्षा उन्हें उनकी छोटी बेटी आशा पसंद है। यदि वे शादी करना चाहते ही हैं तो आशा के साथ अमित की शादी करवा दें। अब यह तो सबको पता है कि बड़ी बेटी के होते कोई अपनी छोटी बेटी का विवाह पहले नहीं करेगा और अत: बिना ना कहे भी यह रिश्ता न होगा।

4. किसकी मन:स्थिति विकल और क्यों हो गई? [3]

उत्तर : अमित के पिता की मन:स्थिति विकल हो गई क्योंकि वे भी स्वयं एक बेटी के पिता थे और यह समझते थे कि बेटी का रिश्ता ठुकराया जाना क्या होता है। इसलिए मीनू के पिता रिश्ता ठुकराने का पत्र भेजने के बाद उनकी मन:स्थिति विकल हो गई।

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

मीनू के मुख से अपनी प्रशंसा सुनकर नीलिमा दिल-दिल-में प्रसन्न हो उठी। परंतु उसे मीनू के दिल में छिपी पीड़ा का आभास था।

1. प्रस्तुत अवतरण में नीलिमा और मीनू कौन हैं उनका परिचय दें। [2]

उत्तर : प्रस्तुत अवतरण में नीलिमा और मीनू दो सहेलियाँ हैं।

2. मीनू प्रसन्न क्यों थी? [2]

उत्तर : मीनू प्रसन्न इसलिए थी क्योंकि बहुत कोशिशों के बाद मेरठ में रहने वाले लड़के को उसका फोटो पसंद आ गया था।

3. कुछ सोचकर मीनू उदास क्यों हो गई? [3]

उत्तर : मीनू पहले यह सोचकर प्रसन्न थी की उसकी फोटो को लड़के वालों ने पसंद कर लिया है लेकिन उसे कुछ पुरानी बातें याद आ जाती इससे पहले कई लड़कों ने उसे सांवली बताकर उसका रिश्ता ठुकराया है और यही सब सोचकर वह उदास हो जाती है।

4. किसे किसकी पीड़ा का अहसास था? [3]

उत्तर : नीलिमा को अपनी सहेली मीनू की पीड़ा का अहसास था। नीलिमा यह जानती थी कि उसकी मित्र अपने रंग को लेकर हीन भावना से ग्रसित है। इसलिए जब वह अपनी फोटो पसंद आ जाने की खबर सुनाती है तो बड़ी प्रसन्न रहती है परंतु कुछ ही क्षण में उसकी ख़ुशी उन पुराने ठुकराए रिश्तों को याद कर काफूर भी हो जाती है। और यही बात से नीलिमा बड़ी अच्छी तरह से वाकिफ थी।

Q.16. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

जब लड़का लड़की को देखने आए तो यह समय एक परीक्षा का समय होता है। लड़की के मन में एक अन्तर्द्वन्द्व होता है कि वह इस परीक्षा में पास हो सकेगी या नहीं।

1. दयाराम के घर तैयारियाँ क्यों चल रही थी? [2]

उत्तर : दयाराम की बेटी मीनू का फोटो लड़के वालों को पसंद आ गया था और वे आज लड़की को देखने आने वाले थे इसलिए दयाराम के घर तैयारियाँ चल रही थी।

2. दयाराम के घर की तैयारी का वर्णन कीजिए। [2]

उत्तर : घर की सारी चीजें झाड़ पोंछकर यथा स्थान लगा दी गई थीं। अपनी हैसियत के अनुसार बैठक के कमरे को विशेष रूप से सुसज्जित किया गया था। घर में विभिन्न प्रकार के व्यंजनों के अलावा बाज़ार से भी कई प्रकार की मिठाईयाँ लाई गई थीं। सब बेसब्री से मेहमानों का इंतजार कर रहे थे। ऐसा लग रहा था जैसे उनके घर कोई देवता आने वाले हैं।

3. किसके मन में और क्यों अन्तर्द्वन्द्व चल रहा था? [3]

उत्तर : मीनू के मन में लड़के वालों को लेकर अन्तर्द्वन्द्व चल रहा था। मीनू साधारण सी सांवली लड़की थी और इस रिश्ते से पूर्व अनेक बार अपने रंग के कारण ठुकराई जा चुकी थी और वैसे भी लड़का लड़की देखते समय लड़की के मन में यह अन्तर्द्वन्द्व तो चलता ही रहता है कि क्या वह इस परीक्षा को पास कर लेगी।

4. अमित को मीनू क्यों पसंद आ गई थी? [3]

उत्तर : अमित को मीनू के पसंद आने के कई कारण थे। पहले तो अमित के हृदय में मीनू का भोला चेहरा समा गया था। दूसरा मीनू न केवल उच्च शिक्षा प्राप्त लड़की थी बल्कि वह घर के कामों में भी कुशल और निपुण थी। साथ ही अमित की यह इच्छा थी कि उसकी भावी पत्नी उसके संयुक्त परिवार को स्वीकार कर लें और जिसे मीनू ने स्वीकार कर लिया था इन्हीं कारणों से अमित को मीनू पहली ही बार में पसंद आ गई थी।